रामेश्वरदास पन्नालाल महिला कॉलेज

(पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय की एक अंगीभूत इकाई)

चौकशिकारपुर, पटना सिटी, पटना-9

Email : info@rmpcollegepatna.ac.in
Website : www.rpmcollegepatna.ac.in
Phone No. : 0612-2641451

प्रो० (डॉ०) पूनम
प्राचार्या
रामेश्वरदास पन्नालाल महिला कॉलेज
चौकशिकारपुर, पटना सिटी

COLLEGE NEWS BULLETIN

प्रो० आर० के० सिंह
माननीय कुलपति
पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना

वर्ष : 2024 | अंक : 4 | जुलाई-सितम्बर, 2024 | मूल्य : निःशुल्क

VISION

1. The long term vision of our college is encapsulated in the following statement-
2. To be center of excellence in higher education with an innovative teaching, learning research activities to cater to the academic needs of the students by providing qualitative education making themself sufficient in life.
3. To provide modern education to promote academic excellence with an ethical dimension and inculcate values in the young girl students, enhancing their quality of life.
4. Our main moto is to educate enable and empower young women for promoting gender equality, social justice and enhancing their quality of life and transforming them into responsible citizen with a commitment towards serving humanity.

MISSION

1. To impart holistic quality education to girl students of unprivileged cross section of society, and empower them with knowledge, skill and competence and make them self-reliant and socially committed citizens of the country.
2. To create a learning ambience in the College, where research and scholarship flourishes.
3. To provide updated knowledge and skill to the girl students to enable them compete in this highly competitive globalized world.
4. To develop overall personality of the girl students to enable them face the fast changing times with dynamism and confidence.
5. To promote art and culture in the College by regularly organizing such events in the campus and by inviting famous experts to inspire the students.
6. To campaign against environmental pollution and to provide best possible protection to all the College members from all kinds of pollution in the campus.
7. The best possible ancient and modern tools and technique of teaching learning should be used to provide updated knowledge and skills, in the globalised world to the girl student of this college who comes from far flung and remote areas.
8. To enable the students to explore the locally available economic resources for their employment and providing support to the society.

रामेश्वर दास पन्नालाल महिला कॉलेज पाटलिपुत्रा विश्वविद्यालय का एक अंगीभूत इकाई है। यह अपने स्थापना के समय से उत्तरोत्तर विकास के मार्ग पर अग्रसर तथा लगातार अपनी परिधि को बढ़ाया जा रहा है।

महाविद्यालय के प्राचार्य/प्राचार्या का यह नैतिक धर्म ळै कि वह अपने महाविद्यालय को लगातार उन्नति के पथ पर अग्रसर करवायी इसी कड़ी में प्राचार्या प्रो. (डॉ०) पूनम ने महामहिम राज्यपाल महोदय श्री विश्वनाथ आर्लेकर से दिनांक ..... शिष्टाचार मुलाकात किया। महाविद्यालय के शैक्षणिक एवं प्रशासनिक विकास से महामहिम को अवगत कराया। उन्होंने बताया किय किस तरह से महाविद्यालय विनित आयाम में विकास के रथ पर अग्रसर है। उन्होंने महाविद्यालय की समस्याओं पर भी चर्चा की।

प्राचार्या प्रो (डॉ०) पूनम ने राज्यपाल महोदय को अपनी महामहिम लिखित पुस्तक **''प्रकृति, कविता एवं आर्थिक विकास''** को भी भेंट किया।

राज्यपाल महोदय ने कॉलेज कि विकास पर खुशी जाहिर की तथा प्राचार्या को बधाई दिया।

महाविद्यालय की विशेषताएँ

- व्यवसायिक कोर्स BBM एवं BLIS की पढ़ाई
- नियमित वर्ग संचालन
- स्मार्टबोर्ड युक्त कक्षाएँ
- प्रबुद्ध शिक्षकगण
- एकेडमिक कलैन्डर
- ऑनलाइन नामांकन
- ऑनलाइन परीक्षा संबंधी कार्य
- ओटोमेटेड लाइब्रेरी
- आधुनिक सुसज्जित विज्ञान प्रायोगशाला
- ड्रेस कोड
- सोलर ऊर्जा
- रेनवाटर हारवेस्टिग प्लांट
- E-वेस्ट मेनेजमेंट
- नियमित एन. एस. एस. सक्रियता
- अनुशासित कार्यालय संपादन
- डाइनेमिक वेबसाइट
- नियमित खेलकूद सक्रियता
- नियमित शैक्षणिक कार्यक्रमों का संचालन
- रैम्प की सुविधा
- पूछताछ काउन्टर
- नियमित कैरियर काउन्सिलिंग
- न्यूज बुलेटिन का नियमित प्रकाशन
- Wi-fi कैम्पस
- सी.सी.टी.वी कैमरा
- पीयर टिचिंग सेल
- हेल्थ सेन्टर
- कैंटीन
- ग्रीन आर्मी
- निःशुल्क कम्प्यूटर ट्रेनिंग
- निःशुल्क योगा ट्रेनिंग
- निःशुल्क हेल्थ चेक-अप
- निःशुल्क जूडो/कराटे ट्रेनिंग
- निःशुल्क आपदा प्रबंधन ट्रेनिंग
- नालंदा ओपन यूनिवर्सिटी का स्टडी सेंटर
- छात्र दरबार
- हर्बल गार्डेन
- एंटी रैगिंग सेल

रामेश्वरदास पन्नालाल महिला महाविद्यालय
पटना सिटी
तमसो मा ज्योतिर्गमय

संरक्षक
प्रो० (डॉ०) पूनम
प्राचार्या

संपादक
डॉ० रजिया नसरीन
अध्यक्ष, गृह विज्ञान विभाग

सह संपादक
डॉ० अंजु जैन
अध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग

संपादक मंडल
डॉ० प्रीति कुमारी
असि० प्रो०, प्राचीन इतिहास एवं एशियाई अध्ययन

डॉ० मीनु मिंज
अतिथि व्याख्याता, समाजशास्त्र विभाग

डॉ० सीमा कुमारी
अतिथि व्याख्याता, अर्थशास्त्र विभाग

डॉ० ईना बहन
अतिथि व्याख्याता, भौतिकी विभाग

प य ी कल स.....

देश के विकास में आधी आबादी यानी महिलाओं की अहम भूमिका रही है। महिलाओं को शक्तिशाली बनाने में, शिक्षा का महत्त्व ू ा योगदान है। रामेश्वरदास न्नालाल महिला काले नारी शिक्षा के क्षेत्र में अपनी अहम भूमिका निभाता रहा है। पूर्वी पटना का यह एक महत्त्वपू र्ा महिला काले है हा बि तयारपुर से छात्रा पढ़ने आती है। यह महाविद्यालय पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय का एक अंगीभूत इकाई है तथा पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय में अपना एक अहम स्थान रखता है। महाविद्यालय अपनी स्थापना के उपरांत लगातार विकास के पथ पर अग्रसर है तथा अपनी परिधि को बढ़ाता जा रहा है, जिनके लिए पारंपरिक पाठ्यक्रमों के अलावे अनेक व्यावसायिक एवं सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम महाविद्यालय द्वारा संचालित किये जा रहे हैं।

महाविद्यालय 18 विषयों में इंटर से स्नातकोत्तर स्तर तक कला, विज्ञान एवं वाणिज्य के अध्ययन अध्यापन का मंच प्रदान करता है। यहाँ BBA, BCA एवं BLIS व्यावसायिक कोर्स की पढ़ाई की सुविधा उपलब्ध है। नालन्दा ऑपने विश्वविद्यालय का अध्ययन केन्द्र भी महाविद्यालय में है। जिससे पूर्वी पटना के छात्र-छात्रओं को लगभग 100 विषयों में Distance Education mode में अध्ययन करने की सुविधा मिल रही है। वर्तमान समय में महाविद्यालय में 17 शिक्षक/शिक्षिकाएँ एवं 7 शिक्षिकेतर कर्मचारीगण कार्यरत है।

11 सितम्बर 2023 को दूसरी बार रामेश्वरदास पन्नालाल महिला कॉलेज में प्राचार्यों के रूप में मैंने यहाँ का कार्यभार ग्रहण किया। महाविद्यालय में योगदान के उपरांत महाविद्यालय का तेजी से विकास करने का मैंने दृढ़ संकल्प लिया और इस दिशा में तेजी से कदम बढ़ाया।

तेजी से विकास के लिए समुचित सिस्टम को विकसित करने बुनियादी सुविधाओं को अविलंब बहाल करने, शैक्षणिक वातावरण को मजबूत करने एवं अनुशासन इ यादि पर सर्वाधिक बल दिया परिणामस्वरूप महाविद्यालय के न सिर्फ भौतिक स्वरूप में बदलाव आने लगा बल्कि लगातार विभिन्न शैक्षणिक एवं अन्य कार्यक्रमों के सफल संचालन एवं आयोजन के कारण छात्राओं एवं शिक्षकों का उत्साहवर्द्धन हुआ एवं महाविद्यालय न सिर्फ पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों में बल्कि पूरे राज्य में अपना एक विशिष्ट स्थान बनाता जा रहा है। इस महाविद्यालय को विकास के स्वर्णिम ऊँचाइयों पर ले जाने के लिए मैं संकल्पित हूँ। महाविद्यालय में साधन सीमित है, ढेरों बाधाएँ है लेकिन आगे बढ़ते जाना ही ध्येय है, क्योंकि 'मंजिलें उन्हें मिलीं जिनके सपनों में जान है, पंखों से कुछ नहीं होता हौसलों से उड़ान है।'

प्रो० (डॉ०) पूनम
प्राचार्या

सम्पादक मंडल

Dr. Kiran Kumari
Nodal Officer

Dr. Razia Nasrin
IQAC Co-ordinator

Dr. Anju Jain
Bursar cum
NAAC Co-ordinator

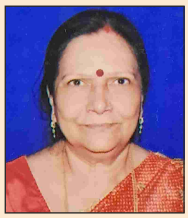

Dr. Sushma
Proctor

Dr. Ena Bahan
Sports Inchrge

Dr. Jayanti Rani
NSS Program Officer

Academic & Extra Curricular Activities in Our College

Date	Programme	Organizing Department
	जुलाई 2024	
15.07.2024	Induction Meeting	IQAC
20.07.2024	गुरू पूर्णिमा	IQAC & Dept of Philosophy
	अगस्त 2024	
12.08.2024	Sports Orientation Programme	Sports Committee
13.08.2024	शैक्षणिक भ्रमण Zoological Survey of India	Zoology
14.08.2024	मेहंदी प्रतियोगिता	Cultural Dept.
15.08.2024	15 अगस्त (सांस्कृतिक कार्यक्रम)	
23.08.2024	मानसिक विकार एवं मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता वर्कशॉप	मनोविज्ञान विभाग एवं आदित्य बिड़ला एजुकेशन ट्रस्ट
31.08.2024	केन्द्र सरकार के कार्यक्रम प्लांट फॉर मदर कैपन पौधारोपण कार्यक्रम	NSS
	सितम्बर 2024	
09.09.2024	वर्कशॉप नियमित स्वास्थ्य जांच परिक्षण के महत्व एवं स्वास्थ्य जांच शिविर	हेल्थ सेंटर
14.09.2024	निबंध प्रतियोगिता	हिन्दी विभाग
23.09.2024	रामधारी सिंह दिनकर जयंती पर काव्यगोष्ठी एवं पोस्टर प्रतियोगिता	हिन्दी विभाग
23.09.2024	एनिमिया के कारण एवं बचाव-श्लोगन प्रतियोगिता	गृह विज्ञान विभाग
29.09.2024	NSS दिवस वस्त्र वितरण	NSS

INDUCTION MEET - 2024

दिनांक 15/07/2024 को आरपीएम कॉलेज ने अपने नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत करते हुए नए छात्रों के लिए इंडक्शन मीट का आयोजन किया। महाविद्यालय के IQAC Cell के द्वारा किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य नए छात्रों को कॉलेज की गतिविधियों, नियमों और पाठ्यक्रम की जानकारी देना था।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या प्रो. (डॉ.) पूनम ने किया। उन्होंने छात्रों का स्वागत किया और कॉलेज के इतिहास, उपलब्धियों और आगामी योजनाओं के बारे में बताया। इस कार्यक्रम का आयोजन विभागाध्यक्षों ने भी अपने–अपने विभागों के बारे में जानकारी दी और छात्रों को विभिन्न शैक्षणिक और गैर –शैक्षणिक गतिविधियों के बारे में अवगत कराया।

आप सभी इस कॉलेज का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, और हमें विश्वास है कि आप अपने मेहनत और समर्पण से कॉलेज का नाम रोशन करेंगे। हम आपको हर संभव सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए हमेशा तत्पर हैं।

आरपीएम कॉलेज की आइक्यूएसी समन्वयक प्रो. (डॉ.) रजिया नसरीन ने इंडक्शन मीट के दौरान अपने संबोधन में कहा, हमारे कॉलेज का मुख्य उद्देश्य न केवल शैक्षिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देना है, बल्कि छात्रों के सर्वांगीण विकास पर भी ध्यान केंद्रित करना है।

नए छात्रों ने इस आयोजन में बड़ी उत्साह से भाग लिया। इस तरह के कार्यक्रमों से नए छात्रों को कॉलेज में आत्मविश्वास और प्रेरणा मिलती है, जिससे वह अपने शैक्षणिक और व्यक्तिगत विकास की दिशा में सकारात्मक कदम उठा पाते हैं। कार्यक्रम का संचालन आइक्यूएसी को–ऑर्डिनेटर डॉ. रजिया नसरीन ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन नैक को–ऑर्डिनेटर डॉ. अंजू जैन ने किया।

गुरु–पूर्णिमा का आयोजन

दिनांक 20.07.2024 को गुरु पूर्णिमा के पूर्व संध्या पर आरपीएम कॉलेज में गुरु –शिष्य परंपरा पर एक संगोष्ठी का आयोजन आईक्यूएसी सेल के संयुक्त तत्वधान में एवं दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज की प्राचार्या प्रो. डॉ. पूनम के द्वारा किया गया। उन्होंने छात्राओं को गुरु पूर्णिमा की बधाई देते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति की सफलता और उनके जीवन में सफल होने के लिए गुरु का होना जरूरी है, गुरु ही एकमात्र वो व्यक्ति है जो अपने शिष्य को अज्ञानता के अंधकार से निकालकर ज्ञान के प्रकाश मे इस दुनिया का परिचय करवाता है। उन्होंने यह भी कहा कि गुरु– शिष्य संबंध न केवल शिक्षा के क्षेत्र में, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण है एवं हर व्यक्ति अपना गुरु स्वयं बन सकता है। इस अवसर पर नागेंद्र मिश्र ने इस परंपरा के ऐतिहासिक महत्व और इसके वर्तमान संदर्भों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गुरु– शिष्य परंपरा भारतीय संस्कृति की नींव है, जो ज्ञान के आदान–प्रदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उनके जीवन में गुरुओं का मार्गदर्शन बहुत महत्वपूर्ण है और यह परंपरा उनके समग्र विकास में सहायक है।

इस कार्यक्रम का संचालन आईक्यूएसी को–ऑर्डिनेटर डॉ. रजिया नसरीन ने किया।

मेहंदी प्रतियोगिता

दिनांक 14/08/2024 को आर.पी.एम महाविद्यालय में मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन सांस्कृतिक विभाग डॉ. अंजू जैन एवं डॉ. रजिया नसरीन के द्वारा किया गया। जिसकी अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) पूनम ने की। इसमें छात्राओं और शिक्षिकाओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य भारतीय सांस्कृतिक धरोहर को बढ़ावा देना और छात्राओं की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना है। प्राचार्या ने कहा कि मेहंदी प्रतियोगिता कराने का उद्देश्य यह है कि छात्राएं इसे प्रोफेशन के रूप में चुन सकती है। महाविद्यालय में लगातार विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। जिससे उनका सर्वांगीण विकास और उनका भविष्य भी उज्ज्वल हो सके। प्रतियोगिता में भारती, पूजा, रोहिणी, ज्योति, अनीशा, जीनत, प्रीति, स्नेहा, ज्योति, शुभी, कोमल, अमृता, करिश्मा, स्नेहा समेत लगभग 20 छात्राओं ने भाग लिया।

प्रतियोगिता के दौरान छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के सुंदर एवं जटिल मेहंदी डिजाइन तैयार किए, और उन्होंने शिक्षिकाओं के हाथों पर आकर्षक डिजाइन बनाएं। प्रथम स्थान रोजी कुमारी, दूसरा स्थान पूजा कुमारी एवं रोहिणी कुमारी, तीसरा स्थान स्नेहा शुक्ला, सुरभि कुमारी एवं अनिशा कुमारी को मिला। इस अवसर पर कॉलेज की प्राचार्या ने छात्राओं की प्रतिभा की सराहना की और भविष्य में ऐसे आयोजनों को जारी रखने की इच्छा व्यक्त की। इस आयोजन में कॉलेज के वातावरण को और भी समृद्ध किया। इस अवसर पर डॉ. किरण कुमारी, डॉ. सुषमा, डॉ. अंजू जैन, डॉ. जयंति रानी, डॉ. प्रीति, डॉ. सीमा कुमारी, डॉ. ईना बहन, डॉ. प्रियंका, डॉ. नीना, अनिशा, मोनी, ऋतू आदि शिक्षक उपस्थित थे।

78वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह–2024

आर.पी.एम कॉलेज, पटना सिटी में 78वाँ स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण समारोह और रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कॉलेज प्रांगण में देशभक्ति के जोश और उत्साह के साथ छात्राओं, शिक्षको और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 10:00 बजे ध्वजारोहण से हुई, जिसे कॉलेज की प्राचार्या प्रो. (डॉ०) पूनम के द्वारा संपन्न किया गया। इसके बाद सभी ने राष्ट्रगान गया। ध्वजारोहण के बाद छात्राओं द्वारा देशभक्ति पर आधारित गीत, नृत्य और भाषण प्रस्तुत किए गए। भाषण में छात्राओं ने स्वतंत्रता संग्राम के महान नेताओं के बलिदान और योगदान को याद करते हुए आज के युवाओं को प्रेरित किया। इसके साथ ही, छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से भारत की विविधता और एकता का संदेश दिया।

इस अवसर पर प्राचार्या ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं है, बल्कि यह हमें अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों की याद दिलाता है। उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि वे देश की सेवा और विकास में अपना योगदान दें।

इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षकगण एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी उपस्थित थे।

STRESS MANAGEMENT PROGRAM

दिनांक 23.08.2024 को आर.पी.एम कॉलेज, पटना सिटी में मानसिक स्वास्थ्य और मानसिक विकारों पर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आदित्य बिड़ला एजुकेशन ट्रस्ट के सहयोग से एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मनोविज्ञान की शिक्षिका कुमारी अनिशा के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) पूनम ने की । उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों और स्टाफ को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व और मानसिक विकारों की पहचान, रोकथाम और उपचार के बारे में जानकारी प्रदान करना। इस अवसर पर मनोविज्ञान कि छात्राओं ने भी अपने विचार प्रकट किए। जज के रूप मे डॉ. अंजू जैन एवं डॉ. किरण कुमारी थी। बच्चों के द्वारा विभिन्न तरह की मानसिक विकारों के ऊपर प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया गया। जिसमें प्रथम स्थान श्रुति कुमारी ने, द्वितीय स्थान साबरी कुमारी और करिश्मा कुमारी तथा तृतीय स्थान मैत्री और संध्या कुमारी प्राप्त की।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य वक्ता बिहार स्टेट साइकोलॉजिस्ट छेदी कुमार चौधरी ने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य किसी भी व्यक्ति के जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, और इसका सीधा संबंध हमारे भावनात्मक, मानसिक और सामाजिक कल्याण से है।

इस अभियान के माध्यम से आर.पी.एम कॉलेज ने मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और छात्रों को मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों की मदद लेने के लिए प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कार्यक्रम का मंच संचालन गणित विभाग के शिक्षक रविंद्र कुमार द्वारा किया गया।

नियमित स्वास्थ्य परिक्षण

आर.पी.एम कॉलेज पटना सिटी में दिनांक 09/09/2024 को फार्ड हॉस्पिटल के सहयोग से नियमित स्वास्थ्य जांच परीक्षण के महत्व को लेकर एक वर्कशॉप तथा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कालेज की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) पूनम ने की। उन्होंने अपने उद्घोषक भाषण में कहा की बीमारी किसी भी उम्र में हो सकती है और बीमारी के लक्षणों को नजर अंदाज करना खतरनाक हो सकता है। इसलिए किसी भी बीमारी के लक्षण को नजर अंदाज न करें और नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच कराऐं ताकि समय पर बीमारी का पता लगाकर समय रहते उसका सुनिश्चित इलाज किया जा सके।

इस अवसर पर बोलते हुए कार्यक्रम के मुख्य वक्ता फार्ड हॉस्पिटल की डॉ. जागृति भारद्वाज ने बताया कि स्वास्थ्य किसी भी व्यक्ति के जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसका सीधा संबंध हमारे मानसिक और सामाजिक कल्याण से है। उन्होंने विभिन्न प्रकार की बीमारियों को पहचानने के लक्षण, रोकथाम के उपाय और उपचार संबंधी बातें छात्रों को बताई। कॉलेज और फार्ड हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वाधान में कॉलेज की छात्राओं , शिक्षकों और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों का स्वास्थ्य जाँच डॉक्टरों की टीम के द्वारा किया गया तथा जेनरिक दवाओं का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन गणित विभाग के शिक्षक रविंद्र

कुमार ने किया तथा कार्यक्रम का संचालन हेल्थ सेंटर की समन्वयक डॉ. किरण कुमारी ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षकगण उपस्थित थे।

दिनांक 14/09/2024 आर.पी.एम कॉलेज हिंदी दिवस के अवसर पर एक विशेष निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. (डॉ.) पूनम ने किया। इस कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग की शिक्षिका डॉ. प्रियंका कुमारी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य हिंदी भाषा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है और उसकी महत्ता पर चर्चा करना था। प्रतियोगिता का विषय "राष्ट्रीयता में हिंदी भाषा का योगदान" था। छात्राओं ने इस अवसर पर अपने विचारों को सारगर्भित रूप से प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्राचार्या ने छात्राओं को हिंदी के गौरवशाली इतिहास से अवगत कराते हुए उन्हें इस भाषा के प्रति प्रेम बनाए रखने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा हिंदी न केवल एक भाषा है बल्कि हमारे सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक भी है। प्रतियोगिता के अंत में प्रथम स्थान रितिका कुमारी, दूसरा स्थान प्रतिभा एवं सिंकू, तीसरे स्थान पर राजनंदिनी और प्रगति को दिया गया। इस आयोजन ने हिंदी के प्रति

नयी जागरूकता और लगाव पैदा किया जिसे कॉलेज का वातावरण हिंदीमय में हो गया।

डॉ. नागेंद्र मिश्र रहे। धन्यवाद ज्ञापन ऋतू कुमारी ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षकगण एवं शिक्षिकेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

रामधारी सिंह दिनकर जयंती पर काव्यगोष्ठी एवं पोस्टर प्रतियोगिता

दिनांक 23/09/2024 को महाविद्यालय के हिंदी विभाग में रामधारी सिंह दिनकर जयंती के अवसर पर काव्य संगोष्ठी एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. डॉ. पूनम के द्वारा किया गया। छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि रामधारी सिंह दिनकर की कविताएं व्यक्तित्व विकास में बहुत उपयोगी है। दिनकर की अर्धनारीश्वर की कल्पना के परिप्रेक्ष में कहा की स्त्री में भी कठोरता और जज्बा होना चाहिए साथ ही पुरुष में कठोरता के साथ ममत्व का भाव भी होना चाहिए। तब ही अर्धनारीश्वर की कल्पना साकार होगी। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रियंका कुमारी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं के द्वारा ओज पूर्ण कविताओं का पाठ किया गया। जिसमे प्रथम स्थान रितिका कुमारी एवं मोनिका कुमारी, दूसरा स्थान प्रगति सिंहा एवं प्रतिभा सिन्हा और तीसरा स्थान करिश्मा को दिया गया। वहीं पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्रतिभा सिन्हा , दूसरा स्थान पूजा एवं प्रगति और तीसरे स्थान पर राजनंदनी एवं मोनिका को दिया गया। इस कार्यक्रम का समापन मोनी कुमारी के द्वारा किया गया।

23.09.2024 गृहविज्ञान विभाग में पोषाहार माह के अवसर पर छात्राओं के बीच एनीमिया के कारण एवं बचाव पर नारा

प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 20 छात्राओं ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान रानी कुमारी, दूसरा स्थान काजल कुमारी और तीसरे स्थान पर सायका प्रवीण एवं रूपा कुमारी रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या प्रो. डॉ. पूनम के द्वारा किया गया। प्राचार्या ने छात्राओं को एनिमिया को दूर करने के लिए आयरन, विटामीन बी12 विटामीन युक्त को आहार में लेने की सलाह दी है। संतुलित आहार एवं व्यायाम से आप स्वस्थय रह सकते है। इसके लिए प्रोत्साहित किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन प्रो. डॉ. पूनम के द्वारा किया गया।

आज दिनांक 24/09/2024 को N.S.S. day का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर N.S.S. द्वारा गोद लिए गए बेगमपुर क्षेत्र के वस्त्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बेगमपुर के slum area में जाकर पुराने वस्त्र बांटे गए। डॉ. नीलम कुमारी समाजशास्त्र विभाग तथा डॉ. मेराज ने वस्त्र दान करके N.S.S. के कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या प्रो. डॉ. पूनम ने किया उन्होंने हरी झंडी दिखाकर दल को रवाना किया। छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्होंने N.S.S. के मूल सिद्धांतों पर विचार व्यक्त किया तथा छात्राओं को इस प्रकार के समस्त सेवा के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का संचालन N.S.S. पदाधिकारी डॉ. जयंति रानी ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी उपस्थित थे।

छात्रओं के कमल से.....

स्तनपान का महत्व :

शिशु के लिए माता का दुध अमृतोपम होता है। नवजात शिशु को जितना लाभदायक एवं पौष्टिक माता का दूध सिद्ध होता है, उतनी संसार की कोई अन्य वस्तु नहीं हा सकती। शिशु का प्राकृतिक तथा सबसे उत्तम भोजन माता का दुध ही है। यह प्रत्येक शिुश को ईश्वर क ओर से जन्मसिद्ध अधिकार के रूप में प्राप्त हुआ है। किन्तु यह देखा जाता है कि पाश्चात्य स्त्रियां अपने सौन्दर्य को अक्षुण्य बनाए रखने की झोंक में सन्तान को इस नौसगिंक देने से वंचित कर देती है, परंतु सन्तोष की बात है कि भारत में अभी इसका चलने नगण्य सा ही है। माताएं स्तनपान कराने में इसलिए धबराते है कि स्तनों की आकृति न बिगड़ जाय या वे दुर्बल न हो जाये। द दूमनली आर्ट ऑफ ब्रेस्टफीडिंग मे बताया गया है कि आप अपने बच्चों के लिए उसके पूरे जीवन में ऐसा कुछ भी नहीं कर सकती है जो उसे भावनात्मक और शारीरिक रूप से स्तनपान से ज्यादा गहराई से प्रभावित करे। मानव दूध शिशुओं को आकार और परिपक्वता दोनो में बढ़ने के लिए आवश्यक विशिष्ट पोषक तत्व प्रदान करता है। आपका दूध आपके बच्चे के लिए आवश्यक विशिष्ट पोषक तत्व प्रदान करता है। आपका दुध आपके बच्चे के लिए ऑर्डर पूरे बनाया जाता है। शोध से पता चलता है कि स्तनपान से शिशुओं माताओं परिवारों और पर्यावरण को बुहत लाभ होता है।

जैसे : इसमें मौजूद एंटी बॉडी बच्चे को बीमार से बचाते है।

रानी कुमारी
बी.ए., रॉल : 424

आचार्य रामचंद्र शुक्ल का साहित्य में योगदान

आचार्य रामचंद्र शुक्ल (1884–1941) एक महान साहित्यकार थे। वे एक आलोचक, निबंधकार साहित्य के इतिहासकार कोशकार, अनुवादक, कथाकार और कवि थे। साहित्य में आचार्य शुक्ल का अतुलनीय योगदान है।

आचार्य रामचंद्र शुक्ल की प्रमुख्य रचना हिन्दी साहित्स का इतिहास है। इस कविता में साहित्यिक प्रवृतियों के आधार पर कालविभाजन, साहित्यिक धाराओं का निरूपण एवं कवियों की विशेषता–बोधक समीक्षा की गयी है। आचार्य शुक्ल की प्रमुख्य रचनाओं में चितामीण, हिन्दी शब्द सागर, नागरीप्रचारिणी पत्रिका गोस्वामी तुलसीदास जायसी ग्रंथावली एवं भ्रमर गीत सार शामिल है।

आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने साहिज्य को जनता की चित्रवृति का संचित प्रतिबिंब बाताया है। शुक्ल ने हिन्दी साहित्य के इतिहास को काल में आधार पर चार भागों में बांटा पठन–पाठन में प्रयुक्त है।

रितिका कुमारी
स्नातकोतर, रॉल–03

नई शिक्षा पद्धति का लाभी :

नई शिक्षा नीति 2020 : एक नए युग की शुरूआत : भारत में शिक्षा के क्षेत्र में एक नए युग की शुरूआत करने के लिए सरकार ने 2020 में नई शिक्षा नीति की घोषणा की। यह नीति दे की शिक्षा प्रणाली को वैश्विक स्तर पर ले जाने के लिए तैयार की गई है। जिसमें भारत महाशजि बन सके

नई शिक्षा नीति के मुख्य उद्देश्य है :

1. भारतीय संस्कृति का बढ़ावा दना।
2. शिक्षा को लचीला बनाना।
3. अनुशासन और क्षमता का विकास करता।
4. पारदर्शिकता और मूल्यांकन को बढ़ावा देना।

नई शिक्षा नीति 2020 के फायदे है :

1. शिक्षा की गुणवक्ता में सुधार
2. रोजगार के अवसरों में वृद्धि
3. भारतीय संस्कृति का संरक्षण
4. वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धामिकता में वृद्धि

नई शिक्षा नीति 2020 भारत में शिक्षा के क्षेत्र में एक नए युग की शुरूआत कर रही है।

रिया दास
बी.ए., रॉल–325

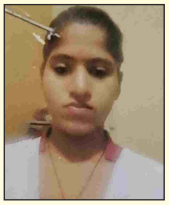

एनीमिया के कारण एवं बचाव के उपाय :

एनीमिया एक ऐसा स्थिति है जिसमें शरीर में लाल रक्त या कोशिकाओं की कमी हो जाती है यह कई कारणों से हो सकता है जैसे की आयरन की कमी, विटामीन बी 12 की कमी, अस्थि मज्जा की समस्या या दीर्घकालिक बीमारियां इत्यादि।

एनीमिया के कुछ कारण और बचाव के उपाय : आयरन की कमी से होने वाला एनीमिया यह एनीमिया का सबसे आम प्रकार है यह तब होता है जब शरीर में आयरन की कमी होती है या आयरन को अवशोषित करने में दिक्कत होती है आयारन की कमी ि दूर करने में लिए आयरन युक्त भोजन करना चाहिए पालक, शकरकंद, मटर, ब्रोकली, स्ट्रॉबेरी, तरबूज, किशमिश और खजूर जैसे फल और सब्जियां आयरन से भरपूर होती है। इन सबों का सेवन आहार के सम्मिलिक करना चाहिए। विटामीन बी12 की कमी से होने वाला एनीमिया : यह एनीमिया तब होता है जब शरीर में विटीमी बी 12 की कमी होती है। विटामीन बी12 की कमी दूर करने के लिए मरीज को विटामीन बी 12 का इंजेक्शन दिए जाते है और इससे युक्त आहार ाक सेवन करना चाहिए।

एनीमिया जब होता है जब शरीर में कम संख्या में आरबीसी प्रसारित होते है। इससे व्यक्ति के ऑक्सीजन का स्तर कम हो जाता है और थकान, पीली त्वचा सीने में दर्द और सांस फूलने जैसे लक्षण हो सकते है। आम कारणामें रक्त की कमी आरबीसी उत्पादन में कमी शामिल है।

रचना राय
बी.ए., रॉल : 171

G20-2024

The G20 is an international forum bringing together the world leading economics to address global economic and financial issues. The G20 2024 summit is just around the corner scheduled to take place on November 18-19, 2024 at the museum of modern art in Rio de Jeneiro Brazil, this mark the first time Brazil will host the event. The theme for this year summit is **"Building a just world and a sustainable planet"** reflecting Brazil commitment to addressing pressing global issues.

Sneha Shukla
B.A., Roll : 21

नारी एक नई पहचानः

नारी का मान, नारी का सम्मान
नारी है शक्ति, नारी है जान,
नारी के बिना अधुरा है जहान।
हर कदम पर जिसने दी है मिसाल,
उसकी उड़ान की मिले नया कमाल।
बहू सरिता है वह है सागर,
है अटूट उसकी मेहनत का सफेद।
अपने बल से बदलती दुनिया का रंग,
नारी है सश्क्त, नारी है संग।
न झुकेगी, न रूकेगी अब,
आसमान तक पहुँचेगी अब।
अपने हक की राह खुद बनाएगी,
हर मुश्किल को अब वो हटाएगी।
ज्ञान की किरण को या हो विज्ञान,
नारी का अपना अब होना महान।
हर क्षेत्र में चमकेगी उसकी रोशनी,
उसके कदमों तले होगी दुनिया की जमीं।
अबला नहीं वह सबला है,
समाज की असली ताकत वह है।
नारी का सम्मान है हमारा धर्म है,
नीर सशक्तिकरण से ही समाज का कर्म है।
आओ मिलकर करे उसका सम्मान
नारी है जीवन, नारी है वरदान।
सशक्त हो नारी, सशक्त हो समाज,
नारी की उन्नति में ही सबका राज।

अंजली कुमारी
बी.ए., रॉल : 137

कलम, आज उनकी जय बोल

जला अस्थियाँ बारी–बारी
चिटकाई जिनमें चिंगारी
जो चढ़ गये पुण्यवेदी पर
लिए बिना गर्दन का मोल
कलम, आज उनकी जय बोल।

जो अगणित लघु दीप हमारे
तूफानों मे एक किनारे,
जल–जलाकर बुझ गए किसी दिन
मांगा नहीं स्नेह मुंह खोल
कमल, आज उनकी जय बोल
पीकर जिनकी लाला शिखाएं
उगल रही सौ लपट दिशाएं,
जिनके सिंहनाद से सहमी
धरती रही अभी तक डोल
कलम, आज उनकी जय बोल।

अंधा चकाचौंध का मार
क्सा जाने इतिहास बेचारा,
साखी है उनकी महिमा के
सूर्य चन्द्र भूगोल खगोल
कलमख आज उनकी जय बोल।

श्वेता रानी
सत्र : 2024–2028
रॉल : 7

खबरों में कॉलेज

कॉलेज प्राचार्या ने राज्यपाल को दी पुस्तक

पटना सिटी (आससे)। चौक शिकारपुर स्थित रामेश्वर दास पन्नालाल महिला महिला महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ.प्रो.पूनम ने अपनी लिखी पुस्तक 'कॉलेज में शैक्षणिक व प्रशासनिक विकास' बिहार के राज्यपाल शिष्टाचार के नाते सप्रेम भेंट दी। प्रो पूनम ने कहा कि पुस्तक छात्र-छात्राओं को कैसे शैक्षणिक कार्य व प्रशासनिक व्यवस्था हो विस्तार से बताया गया है। आने वाले दिनों में पुस्तक बिहार के पुस्तकालय एवं अन्य उपलब्ध होगी।

योग अनेकों दवाइयों से बढ़कर होता है: डॉ. पूनम

तर्पण प्रतिनिधि

पटना। आर. पी. एम. महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. जयंति रानी ने योग शिविर का संचालन किया। जिसकी अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) पूनम ने किया। उन्होंने

बताया कि योग अनेकों दवाइयों से बढ़कर होता है, प्रातः काल में योगाभ्यास करने से मनुष्य दिन भर तरोताजा महसूस करता है। योग मन और शरीर दोनों को स्वस्थ रखता है। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षकगण डॉ. सुषमा, डॉ. रजिया नसरीन, डॉ. नागेंद्र मिश्र, डॉ. मनोज, डॉ. प्रीति, डॉ. ईना बहन, डॉ. सीमा कुमारी, डॉ. अमोल कुमार, मोनी, श्रेया आदि अति उत्साहित होकर योगाभ्यास किया।

शैक्षणिक गतिविधियां बढ़ा अपने कौशल को करें विकसित: डॉ पूनम

नवागंतुक छात्राओं को कॉलेज की गतिविधियों से कराया अवगत

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

... सकें। हम आप सबों को प्रोत्साहित करते हैं कि वह यहां दी जाने वाली हर अवसर का लाभ उठाएं और अपने कौशल को विकसित करें। आप सभी ... शैक्षणिक अनुभव प्रदान करने के लिए किया गया है। नवागंतुक छात्राओं ने इस आयोजन में बड़ी उत्सुकता से भाग लिया और कॉलेज के वातावरण ... बहन, डॉ प्रियंका कुमारी, डॉ दशरथ मंडल, डॉ अमोल कुमार, डॉ नीना, डॉ मीनू मिंज, डॉ सत्येंद्र शर्मा आदि उपस्थित रहे।

आरपीएम कॉलेज में इंडक्शन मीट का आयोजन संपन्न

पटना। सोमवार को आरपीएम कॉलेज ने अपने नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत करते हुए नए छात्रों के लिए इंडक्शन मीट का आयोजन किया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य नए छात्रों को कॉलेज की गतिविधियों, नियमों और ...

नए छात्रों के कॉलेज के वातावरण से परिचित कराने और उन्हें एक समृद्ध शैक्षणिक अनुभव प्रदान करने के लिए किया गया है।

नए छात्रों ने इस आयोजन में बड़ी उत्सुकता से भाग लिया और कॉलेज के वातावरण को समझने ...

आरपीएम कॉलेज में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित

स्वास्थ्य वर्कशॉप तथा जांच शिविर का हुआ आयोजन

दस्तक प्रभात प्रतिनिधि

पटना सिटी। आर.पी.एम कॉलेज में फार्ड हॉस्पिटल के सहयोग से नियमित स्वास्थ्य जांच परीक्षण के महत्व को लेकर एक वर्कशॉप तथा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कालेज की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) पूनम ने की। उन्होंने अपने उद्घोषक भाषण में कहा की बीमारी किसी भी उम्र में हो सकती है और बीमारी के लक्षणों को नजर अंदाज करना खतरनाक हो सकता है। इसलिए किसी भी बीमारी के लक्षण को नजर अंदाज न करें और नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच कराएं ताकि समय पर बीमारी का पता लगाकर समय रहते उसका सुनिश्चित इलाज किया जा सके। इस अवसर पर बोलते हुए कार्यक्रम के मुख्य वक्ता फार्ड हॉस्पिटल की डॉ. जागृति भारद्वाज ने बताया कि स्वास्थ्य किसी भी व्यक्ति के जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसका सीधा संबंध हमारे मानसिक और सामाजिक कल्याण से है। उन्होंने विभिन्न प्रकार की बीमारियों को पहचानने के लक्षण, रोकथाम के उपाय और उपचार संबंधी बातें छात्रों को बताई। कॉलेज और फार्ड हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वाधान में कॉलेज की छात्राओं, शिक्षकों और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों का स्वास्थ्य जाँच डॉक्टरों की टीम के द्वारा किया गया तथा जेनरिक दवाओं का वितरण भी किया गया। इस कार्यक्रम का मंच संचालन गणित विभाग के शिक्षक रविंद्र कुमार ने किया तथा कार्यक्रम का संचालन हेल्थ सेंटर की समन्वयक डॉ. किरण कुमारी ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षकगण डॉ.नागेंद्र मिश्र, डॉ. अंजू जैन, डॉ. रजिया नसरीन, डॉ. नीलम, डॉ सीमा, डॉ. ईना, डॉ. दशरथ मंडल, डॉ प्रियंका, डॉ. नीना, ऋतु, अनिशा, मोनी आदि उपस्थित थे।

आरपीएम कॉलेज में हिंदी दिवस पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

भाषाई धरोहर को रक्षित कर उसके महत्व व तकनीकी उन्नति को अपनाने पर जोर

केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, आरपीएम में हुआ आयोजन

रामधारी सिंह दिनकर की कविताएं व्यक्तित्व विकास में उपयोगी : डॉ पूनम

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

आरपीएम महाविद्यालय के हिन्दी विभाग में रामधारी सिंह दिनकर की जयंती पर काव्य संगोष्ठी एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोडॉ पूनम के द्वारा किया गया। छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि रामधारी सिंह दिनकर की कविताएं व्यक्तित्व विकास में बहुत उपयोगी हैं। दिनकर की अर्धनारीश्वर की कल्पना के परिप्रेक्ष में कहा कि स्त्री में भी कठोरता और जज्बा होना चाहिए। साथ ही पुरुष में कठोरता के साथ ममत्व का भाव भी होना चाहिए। तब ही अर्धनारीश्वर की कल्पना साकार होगी। कार्यक्रम का संचालन प्राध्यापक शिक्षिका डॉ प्रियंका कुमारी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं के द्वारा ओजपूर्ण कविताओं का पाठ किया गया। इसमें प्रथम स्थान रितिका कुमारी एवं मोनिका कुमारी, दूसरा स्थान प्रगति सिन्हा एवं प्रतिभा सिन्हा और तीसरा स्थान करिश्मा को दिया गया। वहीं पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्रतिभा सिन्हा, दूसरा पूजा एवं प्रगति और तीसरे स्थान पर राजनंदनी एवं मोनिका रहीं। कार्यक्रम का समापन मोनी कुमारी के द्वारा किया गया।

राज्यपाल से मिल शैक्षणिक गतिविधियों से कराया अवगत

पटना सिटी. राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से चौकशिकारपुर स्थित रामेश्वर दास पन्ना लाल महिला महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो डॉ पूनम शिष्टाचार मुलाकात की. इस दौरान प्राचार्या ने कॉलेज के शैक्षणिक व प्रशासनिक विकास के कराये गये कार्य से राज्यपाल को अवगत कराया और महाविद्यालय प्रस्तावित योजनाओं की जानकारी दी. प्राचार्या ने अपनी लिखित पुस्तक प्रकृति, कविता और आर्थिक विकास की प्रति भी राज्यपाल को भेंट की. साथ महाविद्यालय के विकास के लिए लिये संकल्प से भी महामहिम को अवगत कराया.

आज

जयंती पर याद किये गये दिनकर

गुरु शिष्य परंपरा पर एक संगोष्ठी का आयोजन हुआ आरपीएम कॉलेज में

दस्तक प्रभात प्रतिनिधि

पौधे मां के समान, यह करती है प्रकृति की रक्षा : डॉ पूनम

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

आरपीएम महाविद्यालय परिसर में केंद्र सरकार के कार्यक्रम प्लांट फॉर मदर कैंपेन के तहत राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तत्वावधान में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन ...

... हरित सुंदर बनेगा, बल्कि यह एक स्वस्थ पर्यावरण के निर्माण में भी योगदान देगा। कार्यक्रम में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पौधों ... मिश्र, डॉ नीलम, डॉ रजिया नसरीन, डॉ मनोज, डॉ प्रीति, डॉ दशरथ, डॉ अमोल, डॉ मीनू मिंज, डॉ सत्येंद्र, डॉ ईना, मोनी आदि उपस्थित थे।

आरपीएम कॉलेज की छात्रों ने जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया का किया शैक्षणिक दौरा

छात्राओं ने जूलॉजिकल सर्वे आफ इंडिया का शैक्षणिक भ्रमण किया

छात्राओं ने भ्रमण में जीव जंतु की विविधता को समझा

पटना सिटी : चौकशिकारपुर स्थित रामेश्वर दास पन्ना लाल महिला महाविद्यालय की छात्राओं ने मंगलवार को भारतीय प्राणी सर्वेक्षण इकाई का भ्रमण किया। प्राचार्या प्रो. डा. पूनम ने बताया कि शैक्षणिक भ्रमण के दौरान छात्राओं ने जीव जंतु की विविधता को समझते हुए अपनी जिज्ञासा को शांत किया। इस दौरान संस्थान के पदाधिकारियों में डा. अमित कुमार, डा. एमडहसन ने छात्राओं को पावर प्वाइंट के माध्यम से म्यूजियम वर्ड व इसेक्ट पर विस्तृत जानकारी दी। (जासं)

पटना आसपास

खेल से सहनशीलता, धैर्य, अनुशासन व एकता का भाव उत्पन्न होता : डॉ पूनम

आरपीएम कॉलेज में स्पोर्ट्स ओरिएंटेशन प्रोग्राम का हुआ आयोजन

योग अनेकों दवाइयों से बढ़कर होता है- डॉ. पूनम

आर. पी. एम. महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया

पटना। आर. पी. एम. महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. जयंति रानी ने योग शिविर का संचालन किया। जिसकी अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) पूनम ने किया। उन्होंने बताया कि योग अनेकों दवाइयों से बढ़कर होता है, प्रातः काल में योगाभ्यास करने से मनुष्य दिन भर तरोताजा महसूस करता है।

योग मन और शरीर दोनों को स्वस्थ रखता है। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षकगण डॉ. सुषमा, डॉ. रजिया नसरीन, डॉ. नागेंद्र मिश्र, डॉ. मनोज, डॉ. प्रीति, डॉ. ईना बहन, डॉ. सीमा कुमारी, डॉ. अमोल कुमार, मोनी, श्रेया आदि अति उत्साहित होकर योगाभ्यास किया।